कुल उपयोगिता :-

किसी उपभोक्ता द्वारा उपभोग की जानेवाली वस्तु की सभी इकाइयों से प्राप्त होनेवाली उपयोगिता के कुल योग को कुल उपयोगिता कहा जाता है। उदाहरणस्वरूप, यदि उपभोक्ता तीन रोटियों का उपभोग करता है तथा उसे क्रमशः प्रथम से 8, द्वितीय से 5 तथा तृतीय से 2 के बराबर उपयोगिता मिल रही है तो कुल उपयोगिता मिल रही है तो कुल उपयोगिता = 8+5+2 = 15 होगी।

औसत उपयोगिता :-

उपभोक्ता द्वारा उपभोग की जानेवाली वस्तु से जो कुल उपयोगिता प्राप्त होती है उसमें वस्तु की संख्या से भाग देने पर जो भागफल आता है उसे औसत उपयोगिता कहते हैं। ऊपर के उदाहरण में 3 रोटी की इकाइयों से प्राप्त कुल उपयोगिता 15 है, इसलिए औसत उपयोगिता होगी 15 ÷ 3 = 5।

सीमांत उपयोगिता तथा कुल उपयोगिता में संबंध :-

उपभोक्ता जब वस्तु का उपभोग करता है तब उसे उपयोगिता प्राप्त होती है। सीमांत उपयोगिता तथा कुल उपयोगिता में घनिष्ठ संबंध होता है। पूर्व में दिए गए उदाहरण से सारणी से यह स्पष्ट हो जाता है कि जैसे-जैसे किसी वस्तु की क्रमशः लगातार अगली इकाइयों का प्रयोग किया जाता है, वस्तु की क्रमशः लगातार अगली इकाइयों का प्रयोग किया जाता है, वस्तु से प्राप्त होनेवाली सीमांत उपयोगिता क्रमशः धनात्मक होती है तब तक कुल उपयोगिता में वृद्धि होती है। जब सीमांत उपयोगिता शून्य हो जाती है तब कुल उपयोगिता अधिकतम होती है। यह पूर्ण संतुष्टि के बिन्दु को बताता है। इसके बाद भी जब वस्तु का उपभोग चालू रखा जाता है तब सीमांत उपयोगिता ऋणात्मक हो जाती है तथा कुल उपयोगिता में तेजी से कमी आने लगती है। पूर्व में दी गई सारणी का प्रयोग यहाँ किया जा सकता है, जिसके विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि

(i) सीमांत उपयोगिता में क्रमशः कमी आती है लेकिन कुल उपयोगिता घटती हुई दर से बढ़ती है।

(ii) जब सीमांत उपयोगिता शून्य हो जाती है तब कुल उपयोगिता अधिकतम होती है।

(iii) जब सीमांत उपयोगिता ऋणात्मक होती है तब कुल उपयोगिता में कमी

Atlantic Oxford

Scanned with CamScanner

आने लगती है।

इसे हम एक रेखाचित्र द्वारा प्रदर्शित कर सकते है।

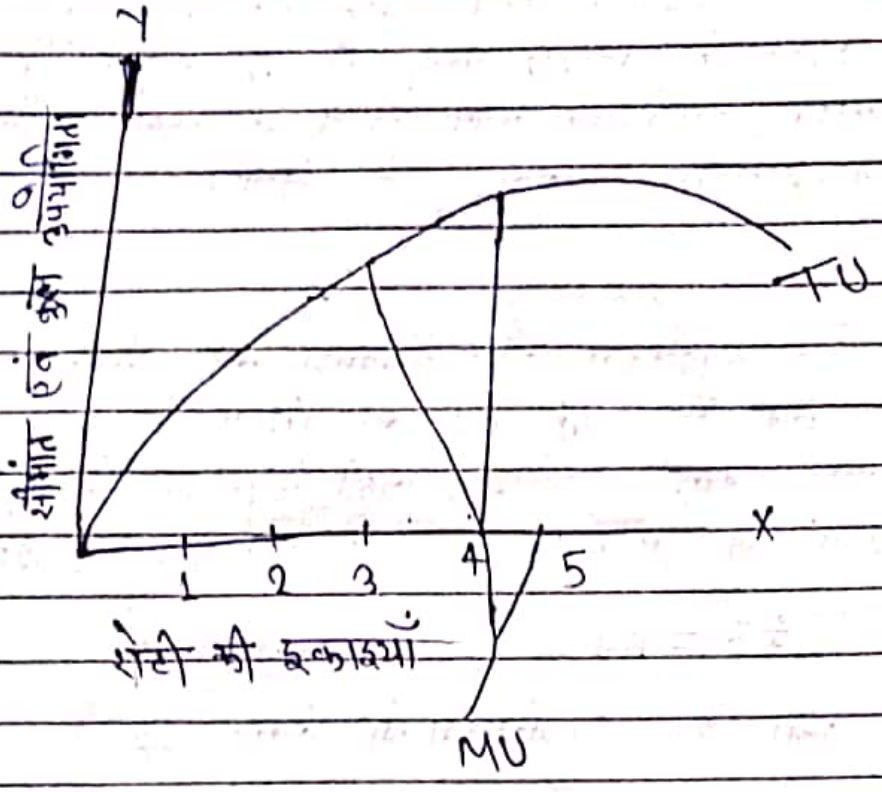

इस रेखाचित्र से स्पष्ट है कि जैसे-जैसे रोटी इकाइयों का उपभोग बढ़ाया जा रहा है, रोटी से मिलनेवाली सीमांत उपयोगिता में ह्रास हो रहा है, लेकिन कुल उपयोगिता बढ़ रही है। जब सीमांत उपयोगिता शून्य हो जाती है तब कुल उपयोगिता अधिकतम होती है। यह स्थिति तब बनती है जब 4 रोटी का उपभोग किया जाता है। यह पूर्ण संतुष्टि की स्थिति का द्योतक है। चार रोटी के बाद जब 5वीं रोटी का उपभोग किया जाता है तब सीमांत उपयोगिता ऋणात्मक हो जाती है तथा कुल उपयोगिता तेजी से घटने लगती है। रेखाचित्र में TU तथा MU की बनावट इन सभी प्रवृत्तियों को दर्शाती है। इस तरह हम पाते है कि सीमांत उपयोगिता एवं कुल उपयोगिता में घनिष्ठ संबंध होता है।

Scanned with CamScanner